Roll No. .....
Signature of Invigilator ……

Paper Code
BS-AECCT 304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

B.Sc. Yoga Science (Semester: Third)
Sanskrit
Basics of Sanskritam

Time: 3 Hours **Max. Marks: 35**

नोट : यह प्रश्नपत्र पैत्तीस (35) अंकों का है जो तीन (03) खंडों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×7=21)**

1. योग एवं संस्कृत का अन्तःसम्बन्ध स्पष्ट करते हुए संस्कृत वर्णमाला पर प्रकाश डालिए।
2. बालिका, मुनि एवं वारि शब्दों के रूप सभी विभक्तियों में लिखकर बालिका शब्द के तृतीया विभक्ति के पदों का वाक्य प्रयोग करिये।
3. भू, अस् एवं कृ धातुओं के रूप पाँचो लकारों में लिखकर कृ धातु लट् लकार के रूपों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग करिये।
4. प्रथम दीक्षा के तृतीय अध्याय में वर्णित विषय–वस्तु पर प्रकाश डालिए।
5. ब्रू, श्रु एवं नी धातुओं के रूप पाँचों लकारों में लिखिए।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दो अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×2=10)**

1. सभी वर्णों के उच्चारण स्थान लिखिए।
2. नदी एवं भानु शब्दों के रूप सभी विभक्तियों में लिखिए।
3. अजन्त एवं हलन्त शब्दों के मध्य भेद को स्पष्ट करते हुए उदाहरण दीजिए।
4. शक् धातु के रूप केवल लट् एवं लृट् लकार में लिखकर वाक्य प्रयोग करिये।
5. प्रत्याहार किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट करिये।
6. भगवत् शब्द के रूप लिखकर वाक्य प्रयोग करिये।

खण्ड–ग
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में आठ (08) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा अंक निर्धारित है। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। **(8×0.5=04)**

1. माहेश्वर सूत्र हैं .....
   (अ) 12 (ब) 13
   (स) 15 (द) 14
2. प्रयत्न होता है .....
   (अ) दो प्रकार का (ब) चार प्रकार का
   (स) तीन प्रकार का (द) पाँच प्रकार का
3. एकोनत्रिंशत् कहते हैं .....
   (अ) 29 को (ब) 49 को
   (स) 39 को (द) 59 को
4. पाणिनि के अनुसार स्वरों की मूल संख्या है .....
   (अ) पाँच (ब) तीन
   (स) नौ (द) छः
5. 'मधुना' किस विभक्ति का रूप है ?
   (अ) पंचमी का (ब) चतुर्थी का
   (स) तृतीया का (द) द्वितीया का
6. 'अस्मान्' पद का प्रातिपादिक (मूल शब्द) है .....
   (अ) युष्मद् (ब) अस्मद्
   (स) तत् (द) एतत्
7. आप्नुहि में लकार है .....
   (अ) लट् (ब) लङ्
   (स) लोट् (द) विधिलिङ्
8. 'नी' धातु किस अर्थ में है ?
   (अ) 'प्राप्त करने' अर्थ में (ब) 'जाने' अर्थ में
   (स) 'ले जाने' अर्थ में (द) बोलने अर्थ में

----------X----------